BSNLEU

B S N L Employees Union

M.P. Circle, BHOPAL

(Regd. No. 4896)
(The Only Recognised union in BSNL)
OFFICE:1195,Lal Kothi, Near Brij Sweets,Shahi Naka Road,Gulauatal,Garha,JABALPUR,(MP)
Phone:- 0761-2425789, Website:- www.bsnleump.org Mobile:- 94251 24499
Circle Secretary Email:srnayak68@yahoo.in Circle President
S.R.Nayak Saiyed Raasid Ali

प्रिय साथियों,

लम्बे समय तक चली वार्ताओं के बाद वेतन कमेटी के स्तर पर 15 जनवरी 2010 को वेतन समझौता हुआ था। इसके बाद, बी एस एन एल की मैनेजिंग कमेटी तथा बी एस एन एल बोर्ड ने वेतन समझौता के यथावत मसौदे पर अपनी मंजूरी की मुहर लगाकर मार्च के तीसरे सप्ताह में मंजूरी के लिए डी.ओ.टी. को प्रेषित कर दिया था।

यह बात विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि, वेतन समझौता के मसौदे को डी.ओ.टी. को भेजने से पहिले, बी एस एन एल ई यू तथा यूनाइटेड फोरम के नेताओं ने इस बात की जोरदार मांग की थी कि, वेतन समझौते के मसौदे को डी.ओ.टी. को भेजने से पहिले, मान्यता प्राप्त यूनियन एवं मैनेजमेन्ट के द्वारा वेतन समझौता के मसौदे पर औपचारिक हस्ताक्षर किए जावें तथा ऐसा करने के बाद ही इसे डी.ओ.टी. को भेजा जावे क्योंकि सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनियों में ऐसा ही होता है। किन्तु सी.एम.डी. ने इस बात को नहीं माना। उनका तर्क था कि, चूकिं सार्वजनिक क्षेत्र की किसी भी दूसरी कम्पनी में केन्द्र सरकार के द्वारा पेन्शन देने की व्यवस्था नहीं है तथा बी एस एन एल बोर्ड स्वयं अपनी मंजूरी की मुहर लगाकर वेतन समझौते को डी.ओ.टी. को भेज रहा है तो इस स्थिति में औपचारिक या अनौपचारिक जैसा कोई प्रश्न ही नहीं उठता। अतः डी.ओ.टी. की मंजूरी प्राप्त करके समझौते के मसौदे पर औपचारिक हस्ताक्षर करके वेतन समझौता को लागू करने तथा एरियर का पेमेन्ट करने के आदेश कर दिए जावेंगे।

किन्तु दिनांक 01.04.2010 की वार्ता में डी.ओ.टी. ने यह संकेत दिया है कि, चूकिं वेतन समझौता करने की औपचारिकताओं को पूरा नहीं किया गया है तथा समझौते के मसौदे पर औपचारिक हस्ताक्षर नहीं हुए हैं, इसलिए इसे बी एस एन एल को इस निर्देश के साथ वापिस भेजा जा रहा है कि सभी औपचारिकताएं पूरी करके पुनः डी.ओ.टी. को भेजा जावे।

इस प्रकार यह साजिश उजागर हो गई है कि जानबूझकर बी एस एन एल का मैनेजमेन्ट कर्मचारियों को नए वेतन मान एवं एरियर का पेमेन्ट करने में विलम्ब करना चाहता है। याद रखने की बात है कि, आई.टी.एस. अधिकारियों तथा बी एस एन एल में समाहित हो चुके 50 हजार अधिकारियों को फरवरी 2009 में ही नए वेतनमान लागू कर दिए गए हैं तथा एरियर का भुगतान भी कर दिया गया है। इस प्रकार बहुत ही सोचे समझे तरीके से बी एस एन एल के गैर प्रशासनिक कर्मचारियों को अनैतिक एवं अन्यायपूर्ण भेदभाव का शिकार बनाने की साजिश की गई है क्योंकि उनकी प्रतिनिधि यूनियन बी एस एन एल ई यू तथा यूनाइटेड फोरम बी एस एन एल को बेचने और कर्मचारियों की छटनी करने का विरोध करते हुए सरकार और मैनेजमेन्ट के रास्ते में चट्टान की तरह अड़े हुए हैं।

कृ.पे.प....3.....